तेरा दरबार | By Tatsha Gupta

मिलती जहाँ पे हमको खुशियां बरसे मस्ती प्यार है
तेरा दरबार है, तेरा दरबार है

एक बात देखी मैंने तेरे प्रेमियों में अक्सर
बंद आँखें अपनी करके करते हैं भरोसा तुम पर
उनका भरोसा बैठा यहाँ पर मेरा लखदातार है
तेरा दरबार है, तेरा दरबार है

सेठों के तुम सेठ सांवरे सबकी बिगड़ी बनाते हो
हारे हुए को जीत का तोहफा देकर तुम लौटाते हो
जिस चौखट पे कभी नहीं होती किसी की हार है
तेरा दरबार है, तेरा दरबार है

लाख भटक ले चाहे कोई गम की भूल भुलैया में
हिचकोले खाये जितना अपने जीवन की नैया में
फसी भवर में कुंदन नैया होती जहां से पार है
तेरा दरबार है, तेरा दरबार है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-tatsha-gupta/